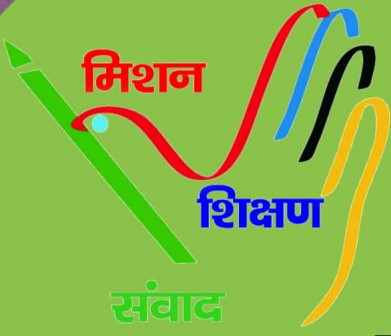




बाल संग्रह



मार्गदर्शक- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद



शीर्षक

प्रार्थना
रीता की सीख
नंदू की होशियारी
सावधानी बरतें
रीता का जन्मदिन
माता-पिता
आओं पेड़ लगाएं
बिल्ली की सीख
बकरी की ईमानदारी
पतंग

प्रार्थना

हे प्रभु! करो सदा,
हम पर ये उपकार।
मन में आए हमारे,
सदा ही सदविचार॥

नन्हें पंखों को हमारे,
स्वच्छंद आकाश मिले।
गिरने से पहले हमें,
प्रभु आकर तु थाम लें॥

कभी किसी का हम,
न सोचें कभी अहित।
हिम्मत हमें दो प्रभु,
शुद्ध सदा रहे चित्त॥

प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद

रीता की सीख

मीना कक्षा तीसरी में पढ़ती है, एक दिन उसका खाने का डब्बा घर रह गया तो टीचर ने सब बच्चों से पूछा कि कौन आज अपना खाना मीना के साथ शेयर करेगा?

सबसे पहला हाथ रीता का उठा, जबकि वह बहुत गरीब परिवार से थी, टीचर ने जब वजह पूछी तो रीता ने मासूमियत से उत्तर दिया कि मैडम हम संयुक्त परिवार में रहते हैं तो सब लोग मिल बांट कर ही खाते हैं। मम्मी कहती हैं कि जो सुख बांट कर खाने में हैं, वह कहीं नहीं।

मैडम सुन कर बहुत खुश हुईं और रीता को शाबाशी दी।



प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद

नंदू की होशियारी

नंदू लेकर छः रुपये,,
जा पहुँचा दुकान।
रास्ते में लगा सोचने,
क्या-क्या लूँ सामान।

दुकान पर देख टॉफियाँ,
आँखें हो गई चौड़ी।
मुँह में भी आया पानी,
देख ठेले की कचौड़ी।



नंदू ने दिमाग दौड़ाया,
एक रुपये की टॉफी खाई।
पाँच रुपये की ली कचौड़ी,
नंदू ने झट दौड़ लगाई।

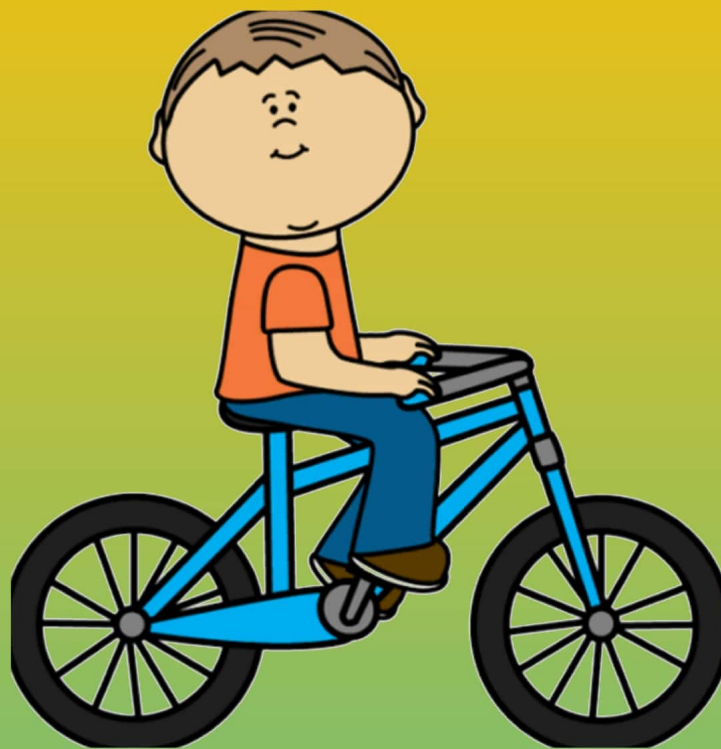
प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद

सावधानी बरतें

नंदू अपनी साईकिल से,
चल दिया स्कूल।
वाहनों से निकले धुआं,
उड़ रही है धूल।।

नंदू खाँसता हुआ,
कक्षा में जा पहुँचा।
तबियत ठीक नहीं है?
शिक्षक ने उससे पूछा।।

नंदू ने रास्ते की,
सारी बातों को बताया।
शिक्षक ने यह सुनकर,
बच्चों को है समझाया।।



मुँह पर मास्क पहनकर,
सड़कों पर निकलें हम।
धूल और धुएं से बचकर,
स्वस्थ खुद को रख लें हम।।

सार्वजनिक वाहनों का,
हमें है प्रयोग करना।
वाहनों से अपने तुम,
जरूरत में ही निकलना।।

प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद

रीता का जन्मदिन

रीता का कल जन्मदिन है। वह अपने जन्मदिन के लिए बहुत उत्सुक है। आखिर हो भी क्यों न, नए-नए उपहार जो मिलने वाले हैं।

उसकी माँ ने उसके जन्मदिन की सारी तैयारियां कर ली थी। रीता सुबह जल्दी उठी और अपनी एक सुंदर ड्रेस पहनने की जिद की। माँ ने भी उसे एक सुंदर ड्रेस पहनाई। आखिर वह समय आ गया जिसका रीता बेसब्री से इंतजार कर रही थी। रीता ने खुशी से केक काटा और सभी ने उसे सुंदर उपहार दिए, और दादी ने उसे एक सुंदर फ्रॉक दी। रीता अपने दोस्तों के साथ अपने उपहारों से खेलने लगी।

उसके घर के बाहर एक औरत अपनी एक छोटी लड़की के साथ खड़ी थी। उस छोटी लड़की ने फटे हुए कपड़े पहन रखे थे। वह छोटी लड़की भूख की वजह से रो रही थी।

रीता ने कुछ न सोचा और वह भागकर अपनी माँ के पास गई और उस छोटी लड़की को खाना देने के लिए कहा। उसकी माँ ने उस छोटी लड़की को खाना दिया। परन्तु रीता की नजर उसके फटे कपड़ों से नहीं हट रही थी और उसने अपनी माँ से छोटी लड़की को अपनी फ्रॉक देने के लिए कहा। माँ ने रीता के कहने पर छोटी लड़की को फ्रॉक दे दी। उस छोटी लड़की की आंखों में खुशी देखकर रीता बहुत खुश हुई, और रीता खुशी-खुशी फिर से दोस्तों के साथ खेलने लगी।

शिक्षा- हमें जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए।

प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद

माता-पिता

माता-पिता का सदा,
कहना तुम मानो।
बढ़कर कुछ न इनसे,
जग में तुम जानो॥

जो माता-पिता का,
करते हैं सम्मान।
सफल होते सदा,
बढ़ाते देश की शान॥

संसार का चक्कर,
कार्तिकेय ने लगाया।
गणेश जी ने संसार,
माता-पिता में पाया॥

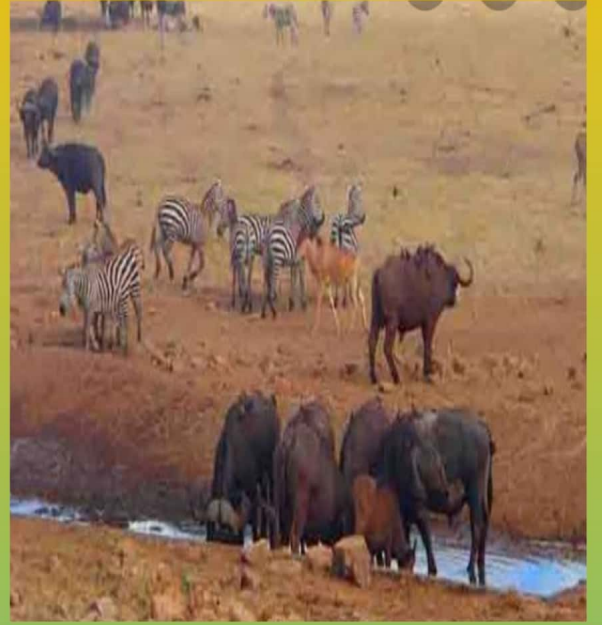


प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद

आओं पेड़ लगाएं

गर्मी आई, गर्मी आई,
अपने साथ मुसीबत लाई।
गर्मी हो रही अपार,
वन में मचा हाहाकार॥

सूरज दादा आखिर क्यों,
गर्मी बहुत बरसाते हैं।
भारी लू के कारण,
राहत कहीं न पाते हैं॥



शेर राजा ने की सभा,
सबको बताई यह बात।
पेड़ अगर लगाओगे तो,
सही समय हो बरसात॥

वर्षा रानी के कारण,
गर्मी से बच जाओगे।
पर्यावरण रहे संतुलित,
पेड़ अगर लगाओगे॥

प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद

बिल्ली की सीख

बिल्ली रानी, बिल्ली रानी,
घर-घर में जाती है।
हर घर की अच्छी बातें,
बच्चों को बतलाती है॥



महेश जी के घर में,
कूड़ेदान का प्रयोग करते।
हरे में गीला कचरा,
नीले में सूखा भरते॥

रमेश जी के घर में,
रहती है बहुत सफाई।
हर चीजों को ढककर रखें,
दूध कभी ना मैं पी पाई॥



सुरेश जी के घर में,
पेड़-पौधे है बहुत सारे।
रोज इन्हें सब पानी देते,
वृक्ष होते हैं मित्र हमारे॥

प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद

बकरी की ईमानदारी

किसी जंगल में एक बकरी और उसके दो बच्चे रहते थे। वह अपने बच्चों को कभी अकेले नहीं छोड़ती थी। एक दिन बकरी का एक बच्चा बहुत बीमार हो गया। बकरी से अपने बच्चों की ऐसी पीड़ा देखी नहीं गई और वह अपने बच्चों को सुरक्षित स्थान पर छोड़कर उसके लिए दवाई लेने डॉक्टर गेंडा के पास गई।

जब बकरी अपने बच्चों की दवाई लेकर आ रही थी तो उसे रास्ते में एक शेर दिखाई दिया। शेर को रास्ते में देख बकरी घबरा गई। शेर अपनी और आता देख बकरी ने मार्ग बदलने की कोशिश की परन्तु शेर ने बकरी को घेर लिया।

शेर से बकरी ने निवेदन किया कि वह उसे जाने दें। शेर ने उसकी बात मानने से इंकार कर दिया। बकरी ने शेर से कहा कि वह अपने बच्चों को दवाई खिलाकर वापिस आ जाएगी। शेर ने कहा- तुमने मुझे बेबकूफ समझ रखा है? तुम वापिस नहीं आओगी यह मैं जानता हूँ।

बकरी ने कहा- आप तो इस जंगल में सबसे ज्यादा शक्तिशाली हो आपको कौन रोक सकता है आप तो मुझे कल भी मार दोगे परन्तु अभी मेरा जाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। मेरा बच्चा बहुत बीमार है, ये देखिए मैं दवाई भी लाई हूँ।

बकरी के बार-बार निवेदन करने पर शेर ने कहा कि मैं तुम्हें जाने दूँगा परन्तु मेरी एक शर्त है यदि तुम वापिस नहीं आई तो तुम्हें ढूँढकर तुम्हारे साथ-साथ तुम्हारे बच्चों के जीवन को भी मैं मृत्यु में बदल दूँगा। बकरी ने उसकी शर्त स्वीकार की और वहाँ से चली गई।

शेर ने सोचा कि वह अब कहाँ आएंगी यह सोचकर वह अपनी गुफा में चला गया। कुछ समय बाद बकरी शेर की गुफा के पास आयी। शेर ने बकरी को बहुत आश्चर्य के साथ देखा। बकरी ने कहा कि हे जंगल के राजा अब तुम मुझे अपने भोजन के रूप में स्वीकार करो। शेर उसकी ईमानदारी और सच्चाई से खुश हुआ और कहा कि मैं तुम्हारी जान नहीं लूँगा तुम अपने बच्चों के साथ खुश होकर अपना जीवन व्यतीत करो। यह कहकर शेर अपनी गुफा में चला जाता है और बकरी खुश होकर अपने बच्चों के पास चली जाती है।

शिक्षा- विपत्ति में कभी अपनी ईमानदारी और सच्चाई से पीछे नहीं हटना चाहिए

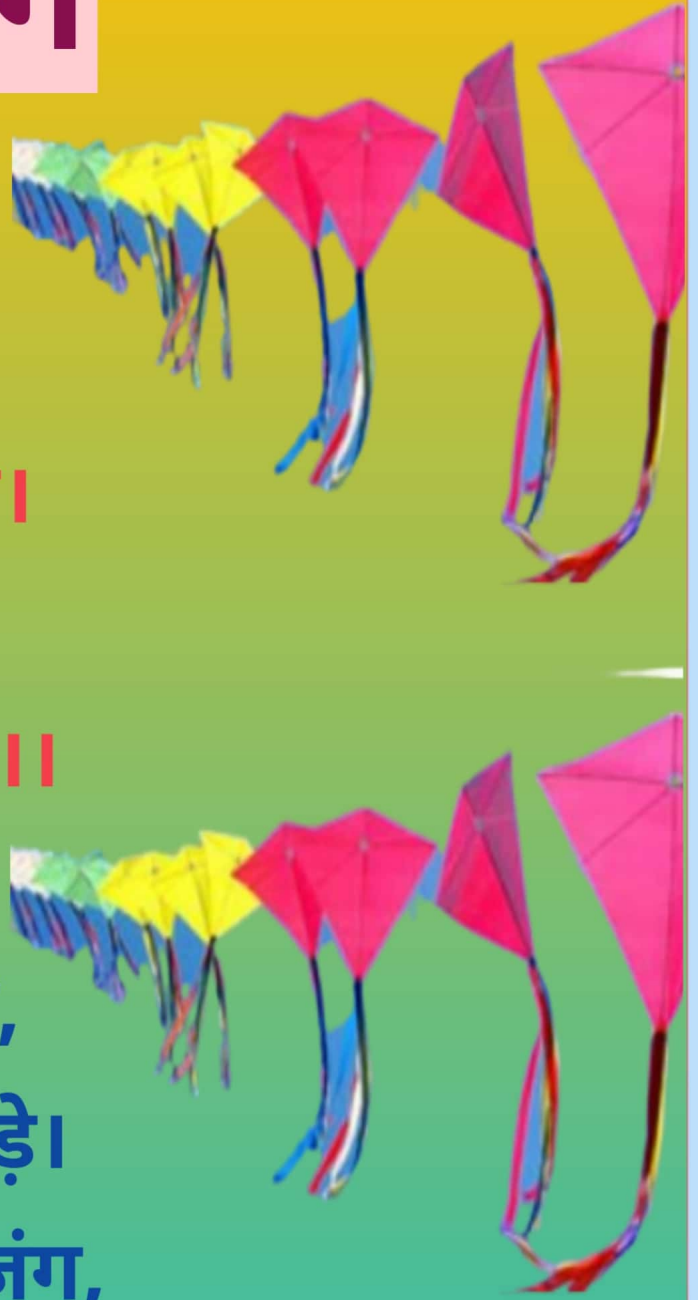
प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद

पतंग

रंगों के नाम

देखो ऊपर उड़ी पतंग,
आसमान में बिखरे रंग।
उड़े लाल, हरी, नीली,
राजू की है पतंग पीली॥

रामू सफेद डोरी पकड़े,
सबसे ऊपर गुलाबी उड़े।
आसमान में छिड़ी है जंग,
देखो कटी बैंगनी पतंग॥



प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद